Total Pages : 8

1542

I Year Arts Examination, 2017

PRAKRIT

Paper–II

(प्राकृत कथा एवं चरित)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है :

इकाई-I

(i) आरामसोहा के माता-पिता एवं गाँव का नाम लिखिए।

(ii) आरामसोहा के पूर्वजन्म का नाम एवं काम लिखिए।

इकाई-II

(iii) मुणिचंदकहाणयं किस ग्रंथ में से लिया गया है? कर्ता का नाम लिखिए।

(iv) कनकवती रोज रात किस के पास जाती थी? क्यूं?

इकाई-III

(v) कुम्मापुत्त का मूलनाम एवं उनके माता-पिता का नाम लिखिए।

(vi) कुम्मापत्त किस कारण से वामन बना?

इकाई-IV

(vii) प्राकृतकथा साहित्य के किसी चार चरितग्रन्थों के नाम लिखिए।

(viii) अगडदत्त को किस कारण से वैराग्य हुआ?

इकाई-V

(ix) आरामसोहा को किसने वरदान दीया? क्युं?

(x) कुम्मापुत्तचरियं की अवांतर कथा संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

इहेव जम्बूरुक्खालंकियदीवमज्झट्ठिए, अक्खंडछक्खंडमंडिए बहुविहसुह-निवहनिवासे भारहे वासे असेसलच्छिसंनिवेसो अत्थि कुसट्टदेसो। तत्थ पमुइयपक्कीलीय लोयणमणोहरो उग्ग-विग्गहु व्व गोरिसुंदरो सयलधन्नजाईअभिरामो अत्थि बलासओ नाम गामो। जत्थ य चाउद्दिसि-जोयण-पमाणे भूमिभागे न कयावि रुक्खाड़ उग्गइ। इओ य तत्थ चउव्वेयपारगो छकम्साहगो अग्गिसम्मो नाम माहणो परिवसइ। तस्स सीलाइगुणपत्तरेहा अग्गिसिहानाम भारिया। ताणं च परमसुहेण भोगे भुंजंताणं कमेण जाया एगा दारिया। तीसे विज्जुप्पह त्ति नाम कयं अम्मापियरेहिं।

3. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ तम्मि चेव समए करठवियओसहिवलया तप्पिट्ठओ चेव तुरियतुरियं समागया गारुडिया, तेहिं पि सा माहणतणया पुट्ठा, बाले! एयम्मि पहे कोवि गच्छंतो दिट्ठो गरिट्ठो नागो? तओ सा वि पडिभणइ भो नरिंदा! किं मं पुच्छेह? जं अहमित्थ वत्थछाइयगत्ता सुत्ता अहेसि। तओ तीए भणिओ सप्पो निहरसु इत्ताहे गया ते तुम्ह वेरिया। सो वि तीए उच्छंगाओ नीहरिऊण नागरूवमुज्झिऊण चलंतकुंडलाहरण सुररूवं पयडिय पभणेइ वच्छे! वरेसु वरं जं एहं तुहोवयारेण साहसेण य संतुट्ठम्हि। सावि तं तहारूवं भासुरसरीरं सुरं पिच्छिऊण हरिसभर-निब्भर-निब्भरंगी विन्नवेइ।

इकाई-II

4. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ अइक्कंतेसु दिवसेसु समागया जामिणी सुउद्दसीए। अत्थंगयम्मि भुवणेक्क-लोयणेदिणयरे उत्थरिए तिमिरप्पसरे मया विसज्जियासेससेवयेणं सिरो मह दुक्खइ त्ति पेसिया वयंसया। तओ एगागी पविट्ठो सोवणयं। परिहिओ पट्टजुगस्स

पट्टो। गहियं मंडलग्गं णिग्गओ णयराओ परियणं वंचिऊण एगागी। दिट्ठो य मए भइरवायरिओ मसाणभूमिए अहं पि तेहिं। भणिओ य अहं जडहारिणा– महाभाग एत्थ भविस्सन्ति बिभीयियाओ, ता तए इमे तिण्णि वि रक्खइयव्वा अहं च, तुज्झ पुण जम्मप्पभिइं अविण्णायभयसरूवस्स किमुच्चइ।

5. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ मए तं दट्ठूण भणियं–रे रे पुरिसाहम किमेवं पलवसि? जइ अत्थ ते पोरिसं ता किमेवं पलविएणं? अहिमुहो समागच्छ जेण दंसेमि ते गज्जियस्स फलं ति, पुरिसस्स हि भुएसु वीरियं, ण सद्दद्दरे त्ति। तओ एसो अमरिसिओ चलिओ मज्झ सम्मुहं। अणाउहं च दट्ठूण मए समुज्झियं मंडसग्गं। संजमीकयं परिहणयं सह केसपासेणं। पयट्टं दोण्ह वि बाहुजुद्धं। लग्गा जुज्झिउं विविहकरणेहिं कत्तरिपहारेहिं। एवं च जुज्झंताणं मए पाडिओ सो दुट्ठवाणमंतरो। सत्तपहाणत्तणेण वसीकओ।

इकाई-III

6. अधोलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

रयणमयखंभपंतीकंतीभरभरिअबेभिंतरपएसं।

मणिमयतोरणधोरणितरुणपहाकिरण कब्बुरिअं।।

मणिमयखंभअहिट्ठिअपुत्तलिआकेलिखोभिअजणोहं।

बहुभत्तिचित्तवित्च्अगवक्खसंदोहकयसोहं।।

7. अधोलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

रायगिहं वरनयरं वरनयरंगंतमंदिरं अत्थि।

धणधन्नाइसमिद्धं सुपसिद्धं सयललोगम्मि।।

तत्थ य महिंदसिंहो राया सिंहु व्व अरिकरिविणासे।

नामेण जस्स समरंगणम्मि भज्जइ सुहडकोडी।।

इकाई-IV

8. प्राकृत साहित्य में उपलब्ध मुख्य कथाग्रंथों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी अनुवाद कीजिए।

मिण्ठेण वि परिचत्तो मारेन्तो सोण्डगोयरं पत्ते।

सवडंमुहं चलन्तो कालो व्व अकारणे कुद्धो।।

तुट्टपयबन्धरज्जु संचुणिणयभवणहट्टदेवउलो।

खाणमेत्तेण पयण्डो सो पत्तो कुमरपुरओ त्ति।।

इकाई-V

10. मयणमंजरी का पात्रालेखन कीजिए।

11. आरामसोहाकहा में उपलब्ध सांस्कृतिक सामग्री के विषय में संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. आरामसोहा का विस्तृत चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई-II

13. मुणिचंदकहाणयं में लोककथा के तत्त्व लिखिए।

इकाई-III

14. कुम्मापुत्त के पात्र की विशेषताएँ दर्शाइये।

इकाई-IV

15. अगडदत्तचरियं की कथा का अलेखन कीजिए।

इकाई-V

16. आरामसोहाकहा एवं अगडदत्तचरियं के कर्त्ता का परिचय दीजिए।